2022
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड – क

1. (क) 'नासिकेतोपाख्यान' के लेखक हैं : **[1]**

(i) बालकृष्ण भट्ट (ii) इंशा अल्ला खाँ (iii) सदल मिश्र (iv) देवकी नन्दन खत्री

(ख) भारतेन्दु-युग की पत्रिका है : **[1]**

(i) 'कवि वचन सुधा' (ii) 'सरस्वती' (iii) 'मर्यादा' (iv) 'हंस'

(ग) 'तितली' के लेखक हैं : **[1]**

(i) 'अज्ञेय' (ii) श्यामसुन्दर दास (iii) जयशंकर प्रसाद (iv) प्रेमचन्द

(घ) भारत-दुर्दशा रचना किसकी है ? **[1]**

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) जयशंकर प्रसाद (iii) प्रेमचन्द (iv) प्रताप नारायण मिश्र

(ङ) बाणभट्ट की आत्मकथा की रचना विधा है : **[1]**

(i) कहानी (ii) उपन्यास (iii) नाटक (iv) एकांकी

2. (क) 'आँसू' के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) महादेवी वर्मा (ii) जयशंकर प्रसाद (iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (iv) राम कुमार वर्मा

(ख) 'तार सप्तक' काव्य संकलन के सम्पादक हैं : **[1]**

(i) सुमित्रानन्दन पंत (ii) नरेन्द्र शर्मा (iii) 'अज्ञेय' (iv) धर्मवीर भारती

(ग) छायावाद युग की रचना है : **[1]**

(i) कामायनी (ii) प्रिय प्रवास (iii) साकेत (iv) वैदेही वनवास

(घ) 'समकालीन कविता' के प्रमुख कवि हैं : **[1]**

(i) मुक्तिबोध (ii) भूषण (iii) रहीम (iv) 'धूमिल'

(ङ) 'साकेत' कृति के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) रामकुमार वर्मा (ii) महादेवी वर्मा (iii) मैथिलीशरण गुप्त (iv) जयशंकर प्रसाद

3. निम्नलिखित गद्यांशों का सन्दर्भ देते हुए किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए : **[2 + 2 + 2 + 2 = 10]**

जन का प्रवाह अनंत होता है। सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातः काल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद ही राष्ट्र-निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं। जन का संतत्वाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है।

(i) राष्ट्रीय जन का जीवन कब तक अमर है ?

(ii) लेखक ने जन-जीवन के प्रवाह को नदी की तरह क्यों कहा है ?

(iii) 'तादात्म्य' और 'अजर' का शब्दार्थ लिखिए।

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत-सभ्यता की परिष्कृति रुचि का ही प्रतीक जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संचार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामंत उखड़ गये, समाज ढह गये और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई। सन्तान कामिनियों

को गन्दर्भों से अधिक देवताओं का वरदान मिलने लगा–पीरों ने, भूत-भैरवों ने, काली, दुर्गा ने यक्षों की इज्जत घटा दी। दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया।

(i) अशोक किसका प्रतीक है ?

(ii) विशाल सामन्त सभ्यता कैसे समृद्ध हुई थी ?

(iii) यक्षों की इज्जत किसने घटा दी ?

(iv) 'परिष्कृत' और 'समृद्ध' शब्द का अर्थ क्या है ?

(v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

4. नीचे दिए गए पद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[5 × 2 = 10]**

दुख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात।
एक परदा यह झीना नील,
छिपाये है जिसमें सुख-गात।।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगता की ज्वालाओं का मूल।
ईश का वह रहस्य वरदान,
कभी मत जाओ इसको भूल।।

(i) कवि ने दुख की तुलना किससे की है ?

(ii) झीना परदा में क्या छिपा हुआ है ?

(iii) सुख-गात में कौन-सा अलंकार है ?

(iv) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

अथवा

आज की दुनिया विचित्र, नवीन,
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरित, गिरि, सिन्धु एक समान।।

(i) आज की दुनिया किस प्रकार है ?

(ii) पुरुष के हाथों में क्या बँधे हैं ?

(iii) 'चढ़ता-उतरता' में कौन-सा समास है ?

(iv) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : **[3 + 2 = 5]**

(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम (iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : **[3 + 2 = 5]**

(i) मैथिलीशरण गुप्त (ii) जयशंकर प्रसाद (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'पंचलाइट' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[5]**

अथवा

'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के प्रश्नों का उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **[5]**

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। **अथवा** 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर उसकी नायिका के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की नारी पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **अथवा** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **अथवा** 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर असहयोग आन्दोलन की घटना का वर्णन कीजिए।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए। **अथवा** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का हिन्दी में ससंदर्भ अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। कि बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृत-वाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानम्, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये च अनेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनन सञ्जायन्ते।

अथवा

हिन्दी-संस्कृताङ्गलभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत्। हिन्दी-हिन्दु-हिन्दुस्थानामानुत्थानाय अयम् निरन्तरम् प्रयत्नम् अकरोत्। शिक्षायै देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनम् अकरोत्। अस्य निर्माणाय अयम् जनान् धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतम धनम् तस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितातोऽयम् विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयनां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिमिव विभाति।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों का हिन्दी में संदर्भ सहित अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

निन्दतु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समावेशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।।

अथवा

वैवस्वतो मनूनां माननीयो मनीषिणाम्।
आसीन्महीक्षितमाद्यः प्रणवच्छन्दसामिव।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए : **[2 + 2 = 4]**

(i) संस्कृत साहित्यस्य आदि कविः कः आसीत् ?

(ii) चतुष्पदाः कं राजानम् अकुर्वन् ?

(iii) कः पाण्डवः दूतः अभवत् ?

(iv) कः सर्वज्ञः भवति ?

10. (क) 'करुण' अथवा 'वीर' रस की परिभाषा तथा उसका एक उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा तथा उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **[2 + 7 = 9]**

(i) सूरदास (ii) आत्मनिर्भर भारत की संभावना (iii) भारत में नारी-शिक्षा का स्वरूप (iv) पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारा दायित्व (v) विज्ञान : अभिशाप या वरदान

12. (क) (i) 'पावकः' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) पौ + अकः (ब) पाव् + अकः (स) पो + अकः (द) पा अकः

(ii) 'प्रेजते' का सन्धि-विच्छेद होगा : **[1]**

(अ) प्र + इजते (ब) प्रे + अजते (स) प्र + एजते (द) प्र + ऐजते

(iii) 'सच्चित्' का सन्धि-विच्छेद कीजिए। **[1]**

(ख) (i) निम्नलिखित में से किसी एक पद का समास का नाम लिखिए : **[1]**

(अ) कृष्णसर्पः (ब) यथाशक्ति (स) प्रत्येकः

(ii) 'नीलगाय' में समास है : **[1]**

(अ) अव्ययीभाव (ब) कर्मधारय (स) द्विगु (द) द्वन्द्व

13. (क) 'तिष्ठेम' अथवा 'करिष्यामि' किस धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का रूप है ? **[2]**

(ख) 'नामसु' किस शब्द, विभक्ति तथा वचन का रूप है ? **[2]**

(ग) (i) 'नीत्वा' शब्द में प्रत्यय है : **[1]**

(अ) तव्यत् (ब) क्त्वा (स) अनीयर् (द) वतुप

(ii) 'गतिमान' शब्द में प्रत्यय है : **[1]**

(अ) त्व (ब) मतुप (स) अनीयर् (द) वतुप

(घ) निम्नलिखित रेखांकित पदों में किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) भिक्षुकः शिरसा खल्वाटः अस्ति। (ii) गणेशाय नमः। (iii) ग्रामं समया विद्यालयः अस्ति।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : **[2 × 2 = 4]**

(i) तुम दोनों आकर पढ़ो।

(ii) गाँव के समीप नदी बहती है।

(iii) विद्या अभ्यास से आती है।

(iv) वह अध्यापक के साथ घर जायेगा।

(v) गंगा हिमालय से निकलती हैं।